No. of Printed Pages : 6

BPY-011

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

02364 **December, 2019**

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-011 : PHILOSOPHY OF HUMAN PERSON

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. **1** and **2** should be in about 400 words each.*

1. Define culture. What are its main elements ? How do you understand humans as cultural beings ? *20*

OR

Explain the phenomenon of 'death'. Critically narrate the theory of transmigration in detail. *20*

2. Describe human person and explain the statement, 'freedom is inherent to the human'. *20*

OR

Write an essay on the concept of human person in the major Upanishads. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) What do you know about the 'philosophical preoccupation' with language and the linguistic turn in philosophy ? Elaborate. *10*

(b) How is philosophy of human person related to other disciplines of study ? Explain. *10*

(c) Do you agree with the theory of determinism ? Substantiate your answer. *10*

(d) Explain the Islamic understanding of the origin of the human person. *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Explain gender-based division of labour. *5*

(b) Describe anthropocentric understanding of human person. *5*

(c) What is the importance of studying philosophy of human person ? *5*

(d) Explain the various functions of language. *5*

(e) Briefly explain the concept of human person in Jainism. *5*

(f) How are intellect and sense corelated ? *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Mutation Theory of Evolution *4*

(b) Synthetic Theory of Evolution *4*

(c) Theological Determinism *4*

(d) Aristotle's Position on Soul and Body *4*

(e) Darwin's Theory of Evolution *4*

(f) Archimedean Standpoint *4*

(g) Atman as Brahman *4*

(h) Creationism *4*

बी.पी.वाई.-011

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2019

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र
बी.पी.वाई.-011 : मानव-व्यक्ति दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में होने चाहिए ।*

---

1. संस्कृति को परिभाषित कीजिए । इसके मुख्य तत्त्व क्या हैं ? आप मानव को एक सांस्कृतिक जीव के रूप में कैसे समझते हैं ? *20*

अथवा

'मृत्यु' की परिघटना की व्याख्या कीजिए । पुनर्जन्म (transmigration) सिद्धान्त का विस्तार से आलोचनात्मक वर्णन कीजिए । *20*

2. मानव-व्यक्ति का वर्णन कीजिए और इस कथन की व्याख्या कीजिए कि, 'स्वतन्त्रता मानव में अन्तर्निहित है' । *20*

अथवा

मुख्य उपनिषदों में वर्णित मानव-व्यक्ति विचार पर एक निबन्ध लिखिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) भाषा के साथ 'दार्शनिक पूर्व अन्त:सम्बन्ध' और दर्शनशास्त्र में भाषाई मोड़ से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए । *10*

(ख) मानव-व्यक्ति दर्शन अन्य शैक्षणिक विषयों (अध्ययन शास्त्रों) से कैसे सम्बन्धित है ? व्याख्या कीजिए । *10*

(ग) क्या आप निर्धारणवादी सिद्धान्त का समर्थन करते हैं ? अपने उत्तर के पक्ष में प्रमाण दीजिए । *10*

(घ) मानव-व्यक्ति की उत्पत्ति सम्बन्धी ईस्लाम की समझ की व्याख्या कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) लिंग-आधारित श्रम विभाजन की व्याख्या कीजिए । *5*

(ख) मानव-व्यक्ति सम्बन्धी मानव-केन्द्रित समझ का वर्णन कीजिए । *5*

(ग) मानव-व्यक्ति दर्शन के अध्ययन का महत्त्व क्या है ? *5*

(घ) भाषा के विभिन्न कार्यों की व्याख्या कीजिए । *5*

(ङ) जैन धर्म में प्रस्तुत मानव-व्यक्ति विचार की संक्षेप में व्याख्या कीजिए । *5*

(च) बौद्धिकता एवं इन्द्रिय बोध किस प्रकार एक-दूसरे से सम्बन्धित हैं ? *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) उद्विकास का उत्परिवर्तन सिद्धान्त *4*

(ख) उद्विकास का संश्लेषित (synthetic) सिद्धान्त *4*

(ग) ईश्वरवादी निर्धारणवाद *4*

(घ) आत्मा एवं शरीर के सम्बन्ध में अरस्तू की स्थिति *4*

(ङ) डार्विन का उद्विकासवादी सिद्धान्त *4*

(च) आर्किमिडीयन दृष्टिकोण *4*

(छ) ब्रह्म के रूप में आत्मा *4*

(ज) रचनावाद *4*